Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
(A National Multidisciplinary bi-lingual Quarterly Double Blind Open Access Peer Reviewed Refereed Journal)
ISSN : 2231–167X (Print), Impact Factor: (Cosmos: 7.866 & I2OR: 5.675) Volume 16, No. 03, July-September, 2026, pp. 136-140

असंगठित महिला उद्यमियों की कार्य संतुष्टि का स्तर का अध्ययन करना : (कोटा शहर के विशेष सन्दर्भ में)

अस्मा बेगम[1*] एवं डॉ. दीपा स्वामी[2]

[1]गृह विज्ञान विभाग, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा।
[2]प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा।

[*]Corresponding Author: varishasophia@gmail.com

***Citation**: बेगम, अस्मा एवं स्वामी, दीपा (2026). असंगठित महिला उद्यमियों की कार्य संतुष्टि का स्तर का अध्ययन करना : (कोटा शहर के विशेष सन्दर्भ में). Journal of Modern Management & Entrepreneurship, 16(03), 136–140.*
https://doi.org/10.62823/JMME/16.03.9403

ABSTRACT

भारत में महिला उद्यमिता देश के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक परिवर्तन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण इंजन बन चुकी है। देश की कुल आर्थिक वृद्धि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सरकारी पहलों, स्टार्टअप अभियानों और डिजिटल सशक्तिकरण के कारण आज लाखों महिलाएँ उत्पादन (Manufacturing), व्यापार (Trading) और सेवा (Service) क्षेत्रों में अपने उद्यम स्थापित कर रही हैं। भारत में सूक्ष्मए लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में कुल उद्यमियों में महिला उद्यमियों का प्रतिशत लगभग 20% से 22% है, जो यह दर्शाता है कि पारंपरिक सीमाओं को पार कर महिलाएँ अब व्यावसायिक मोर्चे पर नेतृत्व कर रही हैं। इसमें कोटा शहर की कुल 450 महिला उद्यामियों ने भाग लिया हैं। शोध परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश महिला उद्यमी अपने व्यवसाय और कार्यप्रणाली की दशा से संतुष्ट हैं। इस अध्ययन में असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों की संतुष्टि स्तर को टी– परीक्षण के माध्यम से जांचा गया है। यह शोध पत्र कोटा शहर की असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों की कार्य संतुष्टि के स्तर की विश्लेषण करने के उद्देश्य से लिखा गया है।

***शब्दकोश:** असंगठित महिला उद्यमी, कार्य संतुष्टि, व्यावसायिक चुनौतियाँ।*

प्रस्तावना

वर्तमान समय में महिला उद्यमिता किसी भी क्षेत्र या राज्य के आर्थिक विकास, सामाजिक परिवर्तन और महिला सशक्तिकरण का एक अनिवार्य स्तंभ बन चुकी है। भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक होने के नाते राजस्थान की अपनी एक अनूठी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक आर्थिक संरचना है, जहाँ हस्तशिल्प, वस्त्र, और घरेलू उद्योगों का एक समृद्ध इतिहास रहा है। हालाँकि, एक पारंपरिक रूप से पुरुष–प्रधान और पितृसत्तात्मक सामाजिक ढांचे के कारण, राज्य में महिलाओं की भूमिका लंबे समय तक घरेलू सीमाओं तक ही सीमित रही है। इसके बावजूद, बदलते समय के साथ राजस्थान की महिलाओं ने अपनी आजीविका और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए व्यावसायिक गतिविधियों में कदम रखना शुरू किया है, विशेषकर असंगठित क्षेत्र में उनकी भागीदारी तेजी से बढ़ रही है।

[*] *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

इसके बावजूद, राजस्थान की महिला उद्यमियों को अपने व्यावसायिक सफर में कई गंभीर और जटिल बाधाओं का सामना करना पड़ता है। पूंजी और वित्तीय संसाधनों की भारी कमी, बैंकों से ऋण प्राप्त करने में आने वाली अड़चनें, संपत्तियों पर मालिकाना हक का अभाव और पर्याप्त तकनीकी ज्ञान की कमी उनकी प्रगति में बड़े अवरोध पैदा करते हैं। इसके अतिरिक्त, दोहरी जिम्मेदारियों (पारिवारिक दायित्वों और व्यवसाय का संतुलन) का बोझ, उचित विपणन (Marketing) और कच्चे माल की उपलब्धता की समस्या, तथा कई क्षेत्रों में व्याप्त लैंगिक भेदभाव व सामाजिक रूढ़िवादिता उनके विकास को बाधित करती है।

कोटा शहर जैसे प्रमुख शहरी और औद्योगिक केंद्रों के विशेष संदर्भ में, असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमी उत्पादन, व्यापार और सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष करते हुए अपने उद्यम स्थापित कर रही हैं। यह अध्ययन इसी पृष्ठभूमि में कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमियों की कार्य संतुष्टि के स्तर का विश्लेषण करने और उनके द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चुनौतियों का मूल्यांकन करने का प्रयास करता है। अध्ययन के दौरान मुख्य रूप से यह परिकल्पना की गई है कि महिला उद्यमियों को व्यवसाय संचालन में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है (H_2)। यह शोध न केवल उनकी जमीनी वास्तविकताओं को उजागर करता है, बल्कि उन्हें एक सुदृढ़ व्यावसायिक माहौल प्रदान करने हेतु नीतिगत बदलावों की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

अध्ययन के लिए कोटा शहर से उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन (Purposive Sampling) विधि के माध्यम से 450 असंगठित महिला उद्यमियों (उत्पादन, व्यापार और सेवा क्षेत्र) का चयन किया गया, जिनसे प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक डेटा एकत्र किया गया।

शोध उद्देश्य और परिकल्पना

- **उद्देश्यः** असंगठित महिला उद्यमियों की कार्य संतुष्टि का विश्लेषण करना ।
- **पारिकलपना :** महिला उद्यमियों में कार्य संतुष्टि का स्तर सामान्य से कम होता है ($\mu<3.0$)।

शोध विवरण

- **शोध क्षेत्रः कोटा शहर (Kota City)**
- **जनसंख्या / समष्टि (असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमी): 19500**
- **प्रतिदर्श का प्रकारः इस शोध में 450 असंगठित महिला उद्यमियों का चयन असंभावना प्रतिदर्शन की उद्देश्यपूर्ण विधि का प्रयोग करके किया गया है।**
- **प्रतिदर्श का आकारः 450 महिला उद्यमी**
- **डेटा संग्रहण उपकरणः प्रश्नावली**

तथ्यों का संग्रहण एवं विश्लेषण

तालिका 1: व्यवसाय से संतुष्टि

विकल्प	उत्पादन	व्यापार	सेवा	कुल	प्रतिशत
बहुत संतुष्ट	36	29	27	92	20.44
संतुष्ट	48	44	45	137	30.44
सामान्य	36	33	32	101	22.44
असंतुष्ट	22	28	28	78	17.33
बहुत असंतुष्ट	8	16	18	42	9.33
कुल	150	150	150	450	100

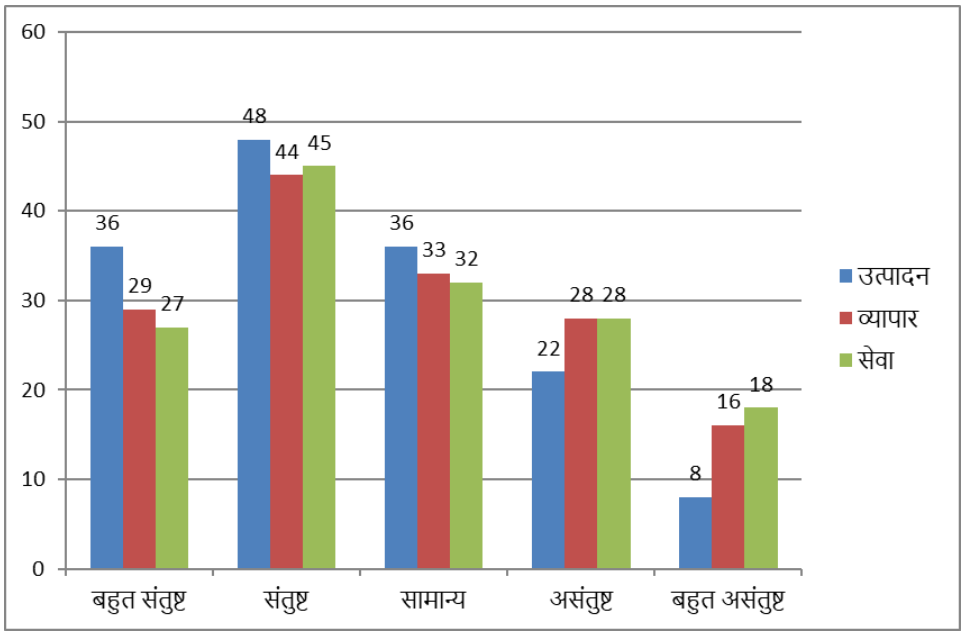

चित्र 1: व्यावसायिक संतुष्टि का तुलनात्मक वितरण आरेख

उपरोक्त तालिका से ज्ञात होता है कि 20.44% उत्तरदाता अपने व्यवसाय से बहुत संतुष्ट हैं, 30.44% संतुष्ट हैं, 22.44% का अनुभव सामान्य है, 17.33% असंतुष्ट हैं तथा 9.33% उत्तरदाता बहुत असंतुष्ट हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक 30.44% उत्तरदाता अपने व्यवसाय से संतुष्ट हैं। यह दर्शाता है कि अधिकांश महिला उद्यमी अपने व्यवसाय के संचालन, आय, कार्य स्वतंत्रता एवं उपलब्ध अवसरों से सकारात्मक अनुभव प्राप्त कर रही हैं।

परिकल्पना

H0: महिला उद्यमियों में कार्य संतुष्टि का स्तर सामान्य है ($\mu \geq 3.0$)।

H1: महिला उद्यमियों में कार्य संतुष्टि का स्तर सामान्य से कम होता है ($\mu < 3.0$)।

परिकल्पना परीक्षण

यदि 5. स्तरीय पैमाने पर मान दिए जाएं (बहुत संतुष्ट = 5, संतुष्ट = 4, सामान्य = 3, असंतुष्ट = 2, बहुत असंतुष्ट = 1), तो कुल महिला उद्यमियो (450) का भारित औसत स्कोर लगभग 3.35 / 5.00 आता है, जो उदासीनता बिंदु (3.0) से अधिक है।

तालिका 2: व्यवसाय से संतुष्टि

विकल्प	उत्पादन	व्यापार	सेवा	कुल	प्रतिशत
बहुत संतुष्ट	36	29	27	92	20.44
संतुष्ट	48	44	45	137	30.44
सामान्य	36	33	32	101	22.44
असंतुष्ट	22	28	28	78	17.33
बहुत असंतुष्ट	8	16	18	42	9.33
कुल	150	150	150	450	100

कुल 450 महिला उद्यमियो के संतुष्टि डेटा पर एक–नमूना ज–परीक्षण (One.Sample t-test) की विस्तृत गणना, जो यह जांचने के लिए की गई है कि क्या कार्य संतुष्टि का समग्र स्तर उदासीनता बिंदु (3.0) से कम है या नहीं :

सांख्यिकीय गणना

- **कुल उत्तरदाता (N):** 450
- **उदासीनता का काल्पनिक माध्य (μ_0):** 3.0
- **भारित औसत माध्य स्कोर ($\bar{X}$): 3.13**
- **मानक विचलन (s): 1.73**
- **मानक त्रुटि** (Standard Error, SE)**:**

$$SE = \frac{s}{\sqrt{N}} = \frac{1.73}{\sqrt{450}} = \frac{1.73}{21.21} \approx 0.0815$$

- t–**सांख्यिकीय मान** (t-statistic):

$$t = \frac{\bar{X} - \mu_0}{SE} = \frac{3.13 - 3.0}{0.0815} = \frac{0.13}{0.0815} \approx +1.61$$

- **स्वतंत्रता की कोटि** (df): N - 1 = 450 - 1 = 449

तालिका 3: परिकल्पना टी–परीक्षण मूल्यांकन

सांख्यिकीय पैमाना (Statistical Parameter)	महिला उद्यमियो की संख्या (N)	माध्य स्कोर ($\bar{X}$)	काल्पनिक माध्य (μ_0)	मानक विचलन (s)	परिकलित ज–मान (t-stat)	स्वतंत्रता की कोटि (df)	सारणीबद्ध क्रांतिक ज–मान (5: स्तर, एक–पक्षीय)
मान (Value)	450	3.13	3	1.73	1.61	449	-1.645

परिणाम एवं निष्कर्ष

- **निर्णयः** परिकलित t–मान (1.61) धनात्मक है और यह एक–पक्षीय परीक्षण के क्रांतिक मान (.1.645) की सीमा से बाहर (अस्वीकृति क्षेत्र में नहीं) है।
- **परिकल्पना की स्वीकृतिः** चूँकि नमूने का औसत स्कोर (3.13) उदासीनता बिंदु (3.0) से अधिक है, शून्य परिकल्पना (H_0) स्वीकार (Accepted) की जाती है और वैकल्पिक परिकल्पना (H_1) को अस्वीकार (Rejected) किया जाता है।
- **निष्कर्षः** सांख्यिकीय रूप से यह सिद्ध होता है कि महिला उद्यमियों में कार्य संतुष्टि का स्तर कम नहीं है, बल्कि यह संतोषजनक एवं सकारात्मक स्थिति में है।

निष्कर्ष

इस शोध अध्ययन कोटा शहर के असंगठित क्षेत्र की महिला उद्यमियों (उत्पादन, व्यापार और सेवा क्षेत्रों) की कार्य संतुष्टि के स्तर और उनके द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख व्यावसायिक चुनौतियों का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से संचालित किया गया था। अध्ययन के निष्कर्षों और सांख्यिकीय विश्लेषण से यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुआ है कि कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमियों में कार्य संतुष्टि का स्तर कम नहीं है, बल्कि शोध का भारित औसत स्कोर 3.13 प्राप्त हुआ जो उदासीनता बिंदु (3.0) से अधिक है। इसके आधार

पर शून्य परिकल्पना स्वीकार की गई, जिससे यह सिद्ध होता है कि अधिकांश महिला उद्यमी अपने व्यवसाय संचालन, कार्य स्वतंत्रता और आय से संतोषजनक एवं सकारात्मक स्थिति में हैं, जहाँ कुल उत्तरदाताओं का लगभग 50.88% हिस्सा अपने व्यवसाय से संतुष्ट या बहुत संतुष्ट है। यद्यपि कार्य संतुष्टि का स्तर सकारात्मक है, तथापि इन महिला उद्यमियों को अपने व्यावसायिक सफर में पूंजी जुटाने की वित्तीय कठिनाइयों, संपत्तियों पर मालिकाना हक के अभाव, तकनीकी ज्ञान की कमी, दोहरी जिम्मेदारियों के बोझ तथा लैंगिक भेदभाव जैसी गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यह अध्ययन इस बात को रेखांकित करता है कि यदि असंगठित क्षेत्र की इन महिलाओं को समय पर वित्तीय सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण और विपणन के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं, तो वे अपनी कार्य संतुष्टि को और अधिक ऊँचा ले जा सकती हैं। अंततः, कोटा शहर की असंगठित महिला उद्यमी इन सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपने उद्यमों के प्रति उच्च प्रेरणा और सकारात्मक संतुष्टि का प्रदर्शन कर रही हैं, जो उनके व्यक्तिगत सशक्तिकरण के साथ–साथ क्षेत्रीय आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. आर्य, साधना, पांडा, शिबा चरण, एवं कौर, गुरवीन. (2017). महिला उद्यमिता और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति. जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशियल स्टडीज, 4(2), 33.47.
2. कुमार, सुरेंद्र, रघुवंशी, अन्विता, मैंदोला, स्नेहा, एवं चौधरी, अनिल. (2021). राजस्थान की महिला उद्यमियों को प्रभावित करने वाले कारकः पायलट अध्ययन. जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 11(4), 101.117.
3. चव्हाण, विभावरी एम. (2016). महिला उद्यमिताः प्रेरणा और चुनौतियाँ. जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, 7(2), 55.70.
4. बोसी, किट यिन. (2017). सिंगापुर में महिला उद्यमिता की सफलता के कारण. एशियन जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, 3(1), 8.19.
5. यादव, एस. एस., गुप्ता, एस., और चौधरी, ए. के. (2025). वैज्ञानिक शोध पद्धतिः सिद्धांत, उपकरण, और तकनीक (fyk संस्करण). सीआरसी प्रेस. https://doi.org/10.1201/9781003664871
6. श्रीवास्तव, के., पडेगांवकर, के., रविकुमार, एस., और हरिता, पी. (2025). शोध पद्धतिः उपकरण और तकनीक. एडिशन पब्लिशर।

❑❑❑